कांग्रेस अध्यक्ष का भाषण
जनसभा
भोनगीर–नलगोंडा (आंध्र प्रदेश)
7 अप्रैल, 2009

बुजुर्गो, बहनो और भाइयो,

मुझे खुशी है, कि आज इस ऐतिहासिक धरती पर आपके बीच आने का मौक़ा मिला है। यह स्वाधीनता सेनानियों की भूमि है, स्व0 प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव जी की भूमि है, मेहनती लोगों की भूमि है, ऐसी भूमि जिस पर हम सबको गर्व है।

आप जानते हैं, कि इस क्षेत्र और आंध्र प्रदेश से हमारा बहुत गहरा निजी रिश्ता है। इंदिरा जी मेडक से चुनाव जीत कर उन्नीस सौ अस्सी में प्रधानमंत्री बनी थीं।

आने वाले चुनाव हमारे देश और आंध्र प्रदेश का भविष्य तय करने वाले हैं। आपके सामने एक तरफ़ कांग्रेस है, जो आज़ादी से लेकर आज तक लगातार देश की मज़बूती के लिए काम किया है। जिसने सभी वर्गों के उत्थान के लिए संघर्ष किया है, जिसके बड़े–बड़े नेता देश के लिए शहीद हुए है। आज दूसरी तरफ़ NDA, दूसरा, तीसरा मोर्चा है। इसी सिलसिले में कुछ बातें करने मैं आज आपके बीच आयी हूं।

इन चुनावों में तय करना है, कि देश किस दिशा में जाए। देश की बर्बादी के लिए NDA और उसकी सहयोगी TDP ही काफ़ी थी, जिनका शासन–काल भ्रष्टाचार, कुशासन, दंगे, समाज में भेद–भाव पैदा कर एक दूसरे को लड़ाने के लिए जाना जाता है। अब एक तीसरे मोर्चे की चर्चा है। मोर्चे में कब कौन शामिल हो जाता है और कब कौन निकल जाता है, यही पता नहीं चलता। इन सबका ध्यान सिर्फ़ अपने निजी स्वार्थ पूरे करने और किसी तरह भी प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने में है।

इन्हें वोट देने का मतलब होगा, देश को अस्थिरता की ओर ढकेलना, विकास में बाधा डालना। मुझे उम्मीद है, कि आप इसे गहराई से समझते हैं।

हमें सीमापार से आने वाले आतंकवाद का मुक़ाबला भी करना है और खुद अपने देश की फ़िरकापरस्त ताक़तों का भी। उन चुनौतियों का मुक़ाबला हम एक होकर, सबको मिलकर करना है। इस पर राजनीति नहीं करना है। आज भाजपा के जो नेता– आतंकवाद से लड़ने की बातें करते हैं, उनके शासन–काल में क्या हुआ था, देशवासी भूले नहीं हैं, उन्हें सब याद है।

वह नेता हमारे प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी पर उल्टे–सीधे इल्ज़ाम लगा रहे हैं। शायद उनके लिए मज़बूत नेता उसे कहते हैं, जिनके गृहमंत्री और उप–प्रधानमंत्री रहते हुए, हमारी संसद् के अलावा एक के बाद एक आतंकवादी हमले हुए, और जो पकड़े गये ख़तरनाक आतंकवादियों को जेल से निकाल कर मेहमान की तरह कंधार भेज सकता हो।

मगर हमारे लिए तो मज़बूत नेता की परिभाषा अलग है। हम समझते हैं, कि मज़बूत नेता वह है, जो बड़ी–बड़ी बातें नहीं, बड़े–बड़े काम करता हो। यह गर्व की बात है, कि हाल ही में हुए मुंबई हमले के दौरान हमारी सरकार ने जो Diplomatic दबाव बनाया, उसके कारण पाकिस्तान को सचाई उगलनी पड़ी। हम भारत के ख़िलाफ़ होने वाली कोई भी हरक़त बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हमारा देश अनेकता में एकता का देश है, हमें सबको साथ लेकर चलना है, जिन्हें कम अवसर मिले हैं, उन्हें अवसर देने हैं। इसीलिए हमने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है।

हमारी आंध्र प्रदेश की सरकार ने मुख्यमंत्री श्री राज शेखर रेड्डी के गतिशील नेतृत्व में तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों के अलावा Handloom उद्योगों को विकसित करने के लिए 'महात्मा गांधी बुनकर बीमा योजना' का विस्तार किया है। पचास साल से ज़्यादा उम्र के बुनकरों को पेंशन शुरू की गयी है। ज़रूरत मंदों को मुफ़्त राशन दिया गया है। बुनकर भाइयों की और मदद करने के लिए ज़िले भर में Handloom Complex बनाए जा रहे हैं। Artisan Credit Cards दिए गये हैं। आंध्र में उद्योगश्री के तहत पढ़े–लिखे नौजवानों को लाखों रोज़गार हासिल हो चुके हैं। SC-ST, पिछड़े वर्गों और अक़्लियतों के छात्रों को पूरी Tuition Fee दी जा रही है।

हमारा वादा है, कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का विस्तार करते हुए ग़रीबी रेखा के नीचे वाले हर परिवार को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिससे ज़्यादा से ज़्यादा नौजवान कोई हुनर सीख कर आत्म–निर्भर हो सकें।

हम दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को ताक़त देने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाते रहे हैं, और चलाते रहेंगे। हमें अपने कामों पर और इरादों पर भरोसा है।

बहनो और भाइयो,

देश अवसरवादी और फ़िरकापरस्त राजनीति से नहीं चलता। देश की शक्ति के लिए राजनीतिक स्थिरता के लिए, मज़बूत सरकार चाहिए, दूरदर्शी नेतृत्व चाहिए। अनुभव, योग्यता और ईमानदारी चाहिए। यह सब कांग्रेस पार्टी में है, डॉ0 मनमोहन सिंह जी में है। फ़ैसला आपको करना है। इन चुनावों का जो भी नतीजा निकलेगा, उसका असर सबकी ज़िंदगी पर पड़ेगा।

इसलिए मेरा निवेदन है, कि दोनों चुनाव राष्ट्रीय और प्रदेश के लिए सही फ़ैसला करके अपना एक–एक वोट कांग्रेस को देकर विधान–सभा और लोकसभा के हमारे सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताकर प्रदेश और केंद्र में एक स्थायी, मज़बूत और Secular सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबको दूर–दूर से इस सभा में आने के लिए धन्यवाद देती हूं।

जय–हिन्द।